अब मुझे उड़ने दो

एक गुलाम परिवार की कहानी

डोलोरेस जॉनसन

अब मुझे उड़ने दो

एक गुलाम परिवार की कहानी

डोलोरेस जॉनसन

लेखक का नोट

1500 के दशक के मध्य से 1800 के दशक के मध्य तक, लाखों अफ्रीकी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को उनके घरों से जबरन छीनकर ले जाया गया और अमेरिका में उन्हें गुलामों जैसा बेचा गया. यह किसी को पता नहीं कि कब्ज़ा करने, जबरन मार्च के दौरान, या महाद्वीप की दर्दनाक यात्रा के दौरान कितने लाख अश्वेत गुलाम मारे गए.

इस पुस्तक में गुलामी की जकड़ में आए एक परिवार के जीवन का काल्पनिक विवरण है. यह कोई सुखद कहानी नहीं है और न ही इसका कोई सुखद अंत है. फिर भी यह एक ऐसी कहानी है जिसे ज़रूर सुनाया जाना चाहिए.

हम सब आज भी गुलामी की विरासत के साथ जी रहे हैं. हमें हर संभव प्रयास करना चाहिए और किसी भी समूह के लोगों का उत्पीड़न कभी बर्दाश्त नहीं करना चाहिए. अगर जब हम में से कोई भी एक भी गुलाम होगा, तो हम सभी का कद बौना होगा.

मैं उस दिन को कभी नहीं भूलूंगी जब मैं पहली बार उड़ना चाहती थी. तब मेरा नाम मिन्ना था. मैं अफ्रीका में रहती थी. यह बहुत साल पहले की बात है - 1815 की. लेकिन मुझे वो दिन ऐसे याद है जैसे कि वो कल ही घटा हो. तब मेरा जीवन बहुत सुखी था.

उस दिन मैं और मेरी माँ बाज़ार में पुआल की टोकरियाँ और चटाई बेच रहे थे. मैं तब बड़ी परेशान हुई जब मैंने देखा कि एक सुंदर पक्षी अपने पंखों को लकड़ी के पिंजरे से लगातार पीट रहा था और भागने की कोशिश कर रहा है. "तुम्हें आज़ाद होना चाहिए, नन्ही चिड़िया," मैं फुसफुसाई. मैंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया और फिर वो पक्षी अपने पंख फैलाकर तुरंत आकाश में उड़ गया. काश मैं भी उसके साथ बादलों के ऊपर उड़ पाती.

मेरी माँ ने मुझे डांटा नहीं, भले ही पक्षी का मालिक चिल्लाया और उसने मुझे मारने के लिए अपनी मुट्ठियाँ तानीं. माँ ने उस आदमी को चुप कराने के लिए उसे कुछ पुआल की टोकरियां थमा दीं और फिर मुझसे ये शब्द कहे: "बेटी, तुमने सही काम किया. किसी भी जीवित प्राणी को कभी कैद नहीं होना चाहिए."
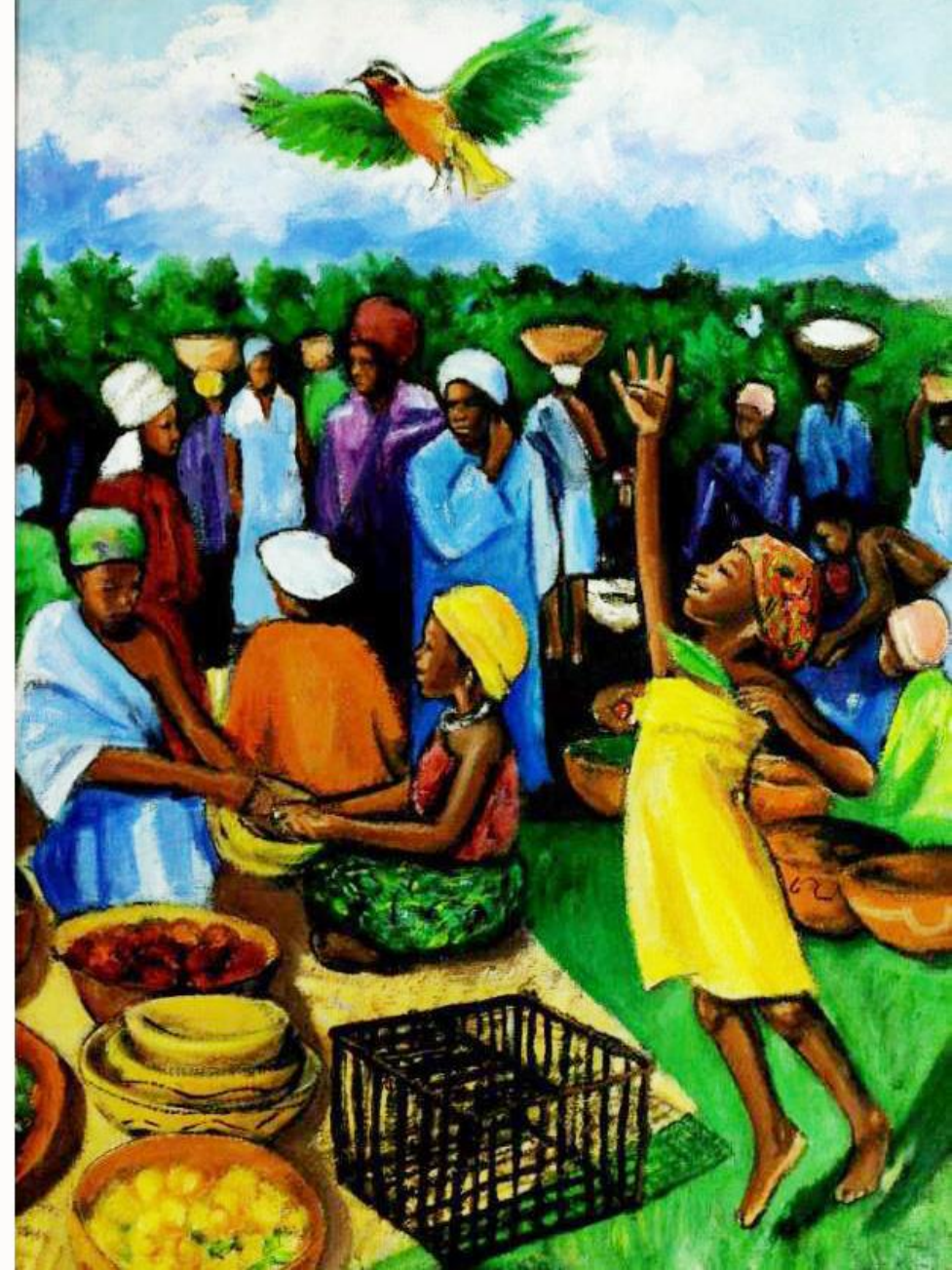
बाद में, जब हम पैदल घर जाते हुए सवाना पार कर रहे थे, तो मैंने ढोल-नगाड़ों की आवाज़ सुनी. "माँ!" मैंने कहा. "क्या आपने नगाड़ों की आवाज़ सुनी? क्या आज रात नृत्य होगा या फिर मुखिया लोग अपनी कहानियां सुनाएंगे?"

"नहीं, बेटी, उन ढोल की आवाज़ में कोई आनंद नहीं है," मेरी माँ ने कहा. "जल्दी करो, हमें घर पहुंचना है."

जब हम अपनी बस्ती में पहुंचे, तो दिन पहले से ही रात में ढल चुका था. कुछ लोगों की मंडली एक गोले में जमा थी. उनके चेहरे टिमटिमाते हुए कैम्प फायर से चमक रहे थे. ज्येष्ठ लोगों की परिषद बैठक चल रही थी, जिसकी अध्यक्षता मेरे पिता कर रहे थे. ऐसा लगता था कि हमारी बस्ती के डोंगो नाम के एक व्यक्ति पर मुकदमा चल रहा था. मुझे उसमें कुछ भी आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि यह डोंगो पर चलने वाला पहला मुकदमा नहीं था.

मेरे पिता ने डोंगो को चुनौती दी. "लोग कहते हैं कि तुमने हमारे कुछ लोगों का अपहरण किया और उन्हें दास के रूप में बेच दिया. किसी ने भी तुम्हें यह जुर्म करते हुए नहीं देखा. लेकिन तुम्हारा पुराना इतहास हमें बताता है कि केवल तुम ही, जो हमें नुकसान पहुंचा सकते हो. इसलिए, तुम्हें इस बस्ती से निष्कासित किया जाता है. डोंगो, तुम यहाँ से चले जाओ और कभी वापस मत आना, नहीं तो तुम्हारे जीवन का एक दर्दनाक अंत होगा."

फिर दो आदमी डोंगो को दूर ले गए.

अगली सुबह, जब मैंने अपने परिवार के परिसर में खेल रही थी वो, मैंने उन गीतों को गुनगुनाया जो माँ ने बचपन में मुझे सुनाए थे. कुछ कदमों की दूरी पर, मेरी माँ अन्य महिलाओं के साथ मिलकर अनाज पीस रही थीं और साथ में गीतों की कोमल धुनों को गुनगुना रही थीं.

जब मैंने उस छोटी चिड़िया को उड़ते देखा जिसे मैंने बाजार में उसके पिंजरे से मुक्त किया था, तो मैं बस्ती के बाहर उसकी उड़ान का पीछा करने लगी. मैंने अपनी बाँहों को फड़फड़ाया जैसे शायद मैं भी उड़ सकूं. इसलिए, मैं अपने पीछे आने वाले क़दमों को नहीं सुन पाई. न ही मां, मेरी दबी चीखें सुन पाईं क्योंकि मेरे अपहरणकर्ता ने मेरे मुंह को अपने हाथ से ढक दिया था. फिर वे मुझे खींचकर ले गए. पेड़ों के बीच से सिर्फ डोंगो की चीखों को गूँजते हुए सुना जा सकता था: "तुम मुझे निष्कासित करोगे? तुम्हारी इतनी हिम्मत?"
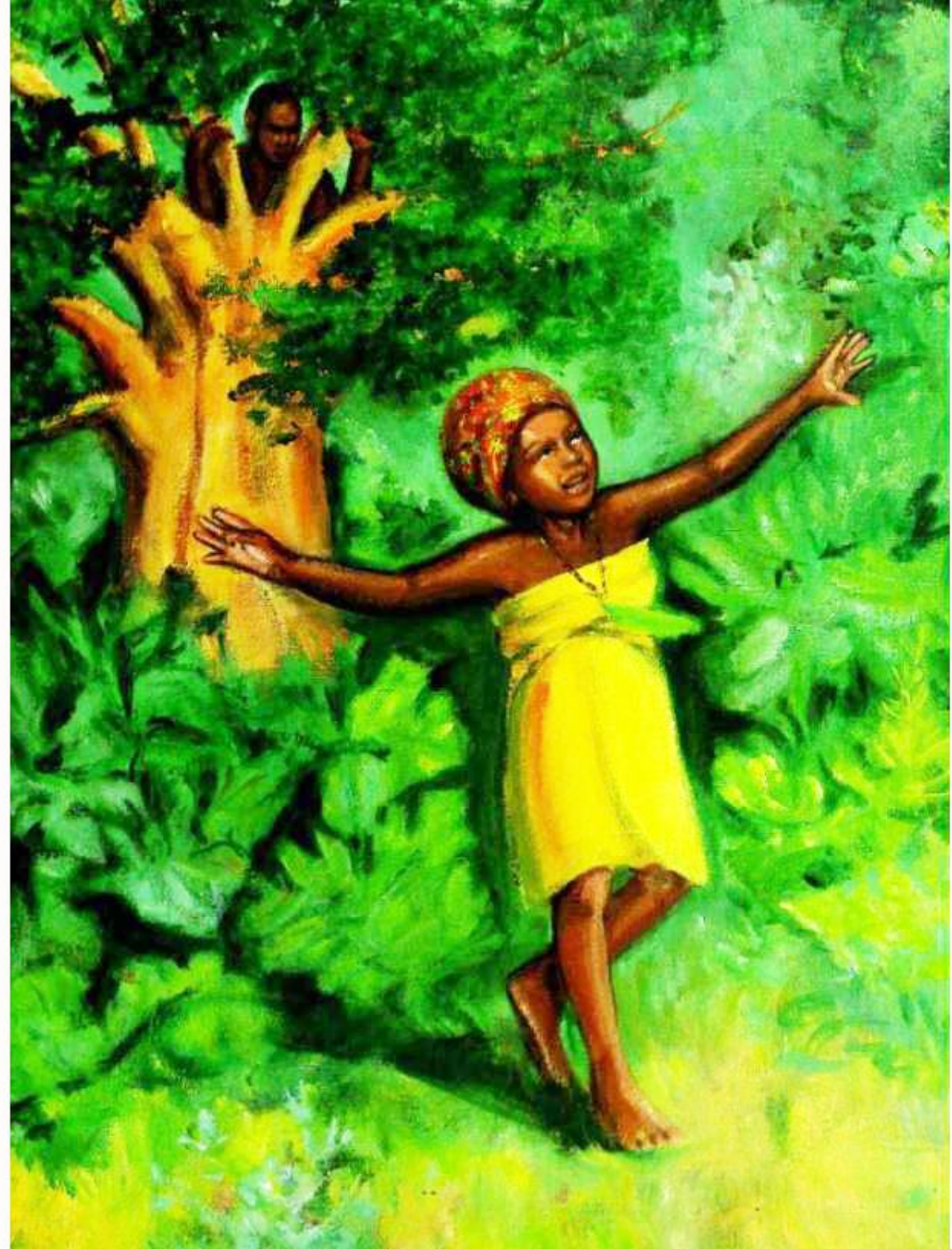
मैं यह कभी नहीं भूल सकती कि मुझे कितना लंबा चलना पड़ा. मुझे बाँधा गया, मेरी पिटाई हुई और अंतहीन मीलों तक मुझे चलना पड़ा. हर कदम के साथ मुझे मेरी माँ और पिता से दूर ले गया. जब मैं मार्च कर रही थी तब, सैकड़ों अन्य काले पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को भी बेड़ियों में बांधकर युद्ध कैदियों के रूप में ले जाया गया. उनका भी मेरी तरह ही अपहरण किया गया था. डोंगो जैसे दास पकड़ने वालों द्वारा हमें एक झुंड में रखा गया और पश्चिमी अफ्रीका के तट के किनारे तक ले जाया गया.

कुछ ही दिनों में, डोंगो के साथ व्यापार करने के लिए पीले रंग के लोग आए. गोरे लोग, हम में से थोड़े-थोड़े लोगों को, लकड़ी की छोटी नावों द्वारा एक बड़े जहाज तक ले गए, जो तट से कुछ दूर लंगर डाले खड़ा था. वहाँ उन्होंने हमें लकड़ी के खुरदुरे तख्तों पर अगल-बगल लेटने के लिए मजबूर किया. हम इतने करीब थे कि हमारे बीच फुसफुसाहट और प्रार्थना के अलावा और कुछ नहीं था.

जो मुझे हमेशा याद रहेगा, वो है अमादी नाम के एक लड़के से मिलना, जो उस बदबूदार जहाज पर मेरी बगल में ही बैठा था. हमारी मुलाकात के कुछ ही पलों बाद वो मेरी देखभाल करने लगा और मैंने उसकी देखभाल की. जब अमादी तेज़ बुखार से बीमार था, तो मैंने अपनी माँ द्वारा सिखाए गीत गाकर उसे दिलासा दी. जब मैं भूख से व्याकुल होती तो अमादी अक्सर कहता, "मेरा कुछ दलिया ले लो, छोटी चिड़िया." और फिर वो मेरे आँसू पोंछता था. अमादी कहता था, "अपना सिर ऊंचा रखो, मिन्ना. तुम एक राजकुमार की बेटी हो, और एक महान राजा की पोती हो. तुम्हारी एक महान अफ्रीकी विरासत है. कोई भी उसे तुमसे कभी नहीं छीन सकता है."
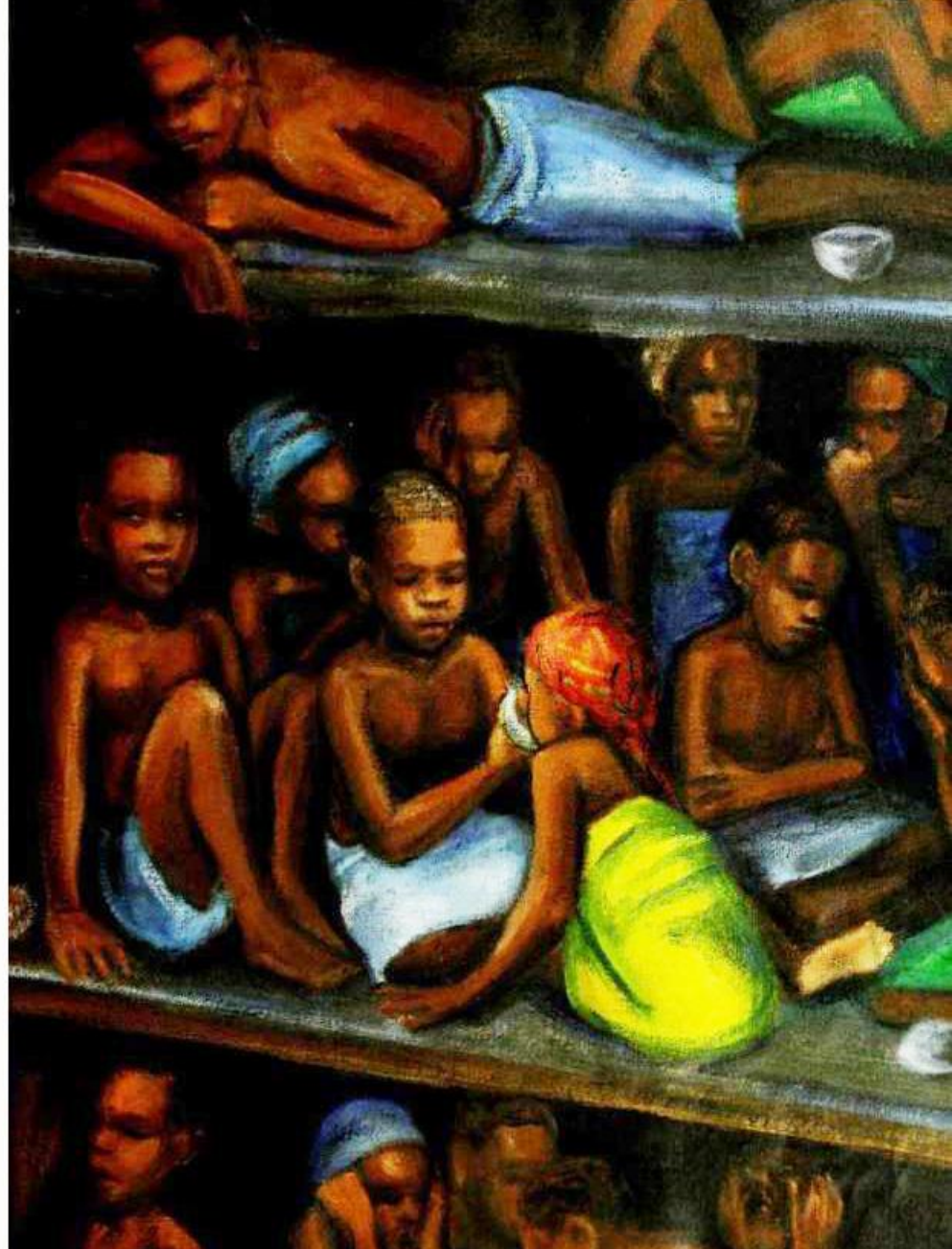
तीन महीने बाद लकड़ी के उस बड़े जहाज ने आखिरकार अमेरिका नामक देश के तट पर लंगर डाला. फिर उन्होंने उन लोगों को, जो जहाज में बेड़ियों और जंजीरों की दर्दनाक यात्रा से बच गए थे भेड़-बकरियों की तरह से उतारा. अमादी और मैं कई गोरे पुरुषों और महिलाओं के सामने एक मंच पर खड़े थे जो हमारे लिए नीलामी की बोली लगा रहे थे, जैसे कि हम बाजार में कोई मवेशी या बकरी थे. सांप जैसी ठंडी आंखों वाले एक लंबे गोरे आदमी ने अमादी और मुझे खरीद लिया. मुझे बाद में पता चला कि हमारे मालिक ने, प्रत्येक के लिए एक सौ डॉलर से भी कम कीमत चुकाई थी.

जिस आदमी ने हमें खरीदा था, उसने हमें उसे "मास्टर क्लेमन्स" कहने के लिए मजबूर किया. फिर उसने हमारे नाम हटा दिए और हम से कहा, "अपनी असभ्य भाषा का एक शब्द फिर से कभी मत बोलना!"

भले ही हम सिर्फ बच्चे थे, लेकिन मास्टर क्लेमन्स ने अमादी और मुझे कपास के खेतों में काम करने के लिए भेजा - सुबह से शाम तक, सप्ताह में छह दिन - जब तक कि हमारी कमर मेहनत से टूट नहीं जाती थी.
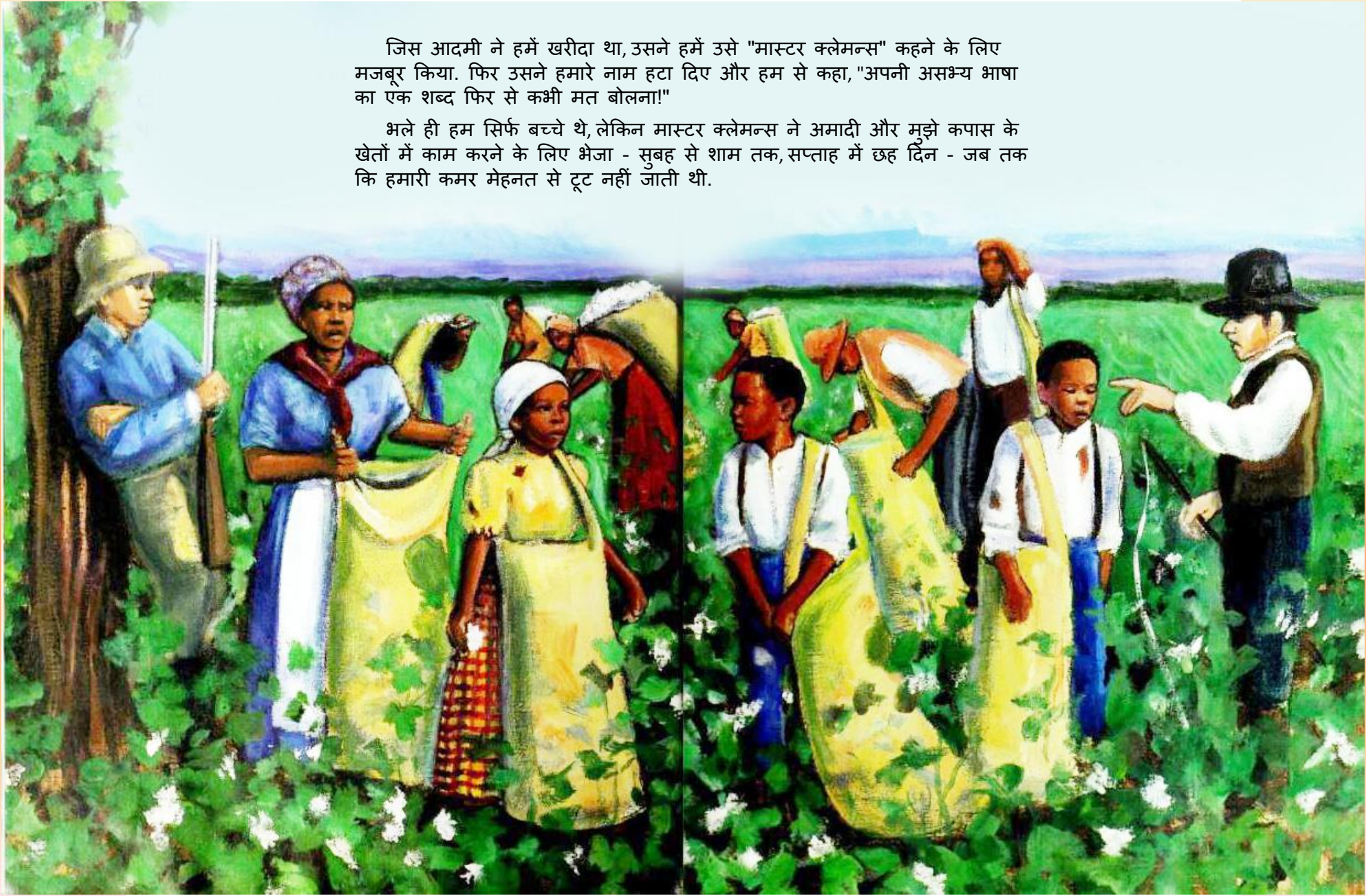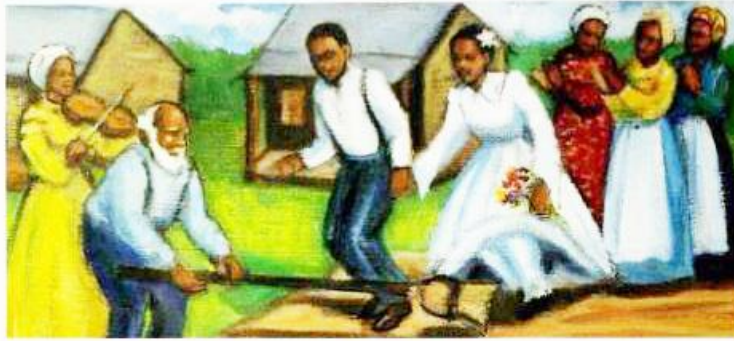
बहुत जल्द ही अमादी और मैं लड़के और लड़की से, पुरुष और महिला बन गए. जैसे-जैसे हम बड़े होते गए, वैसे-वैसे एक-दूसरे के लिए हमारा प्यार बढ़ता गया. जल्द ही हमारे मालिक ने हमें शादी करने की अनुमति दे दी. वृक्षारोपण का प्रत्येक दास हमारे शादी समारोह में "झाड़ू कूद" की रस्म देखने आया था.

समय के साथ मेरे चार सुंदर बच्चे हुए. अमादी और मैंने अपने परिवार को एक छोटी सी झोंपड़ी में पाला था, हमारे मालिक ने हमें जो भी खाने को दिया और पुराने कपड़े-लत्ते दिए उनसे हमने काम चलाया. हालाँकि हम दुखी थे और गुलामी के पिंजरे में कैद थे, कम-से-कम हम एक दूसरे के साथ तो थे. लेकिन तब मुझे लगा कि मेरा जीवन सचमुच समाप्त हो जाएगा जब मालिक ने मुझसे कहा, "मैंने तुम्हारे पति को बेच दिया है."

कई साल बीत चुके थे जब से मैंने अपने पिता की आवाज़ नहीं सुनी थी, और सालों से मैंने अपनी माँ का दुलार महसूस नहीं किया था. और फिर मेरे अलविदा कहने से पहले ही मेरे पति को भी मुझ से छीन लिया गया. उसके बाद मुझे अपने पति की दुबारा कभी कोई खबर नहीं मिली. बस अब मेरे चार बच्चे ही जीवन में मेरे करीब थे. मुझे अपने परिवार के बाकी लोगों को एक साथ रखने के लिए जो कुछ करना था वो मैंने किया.
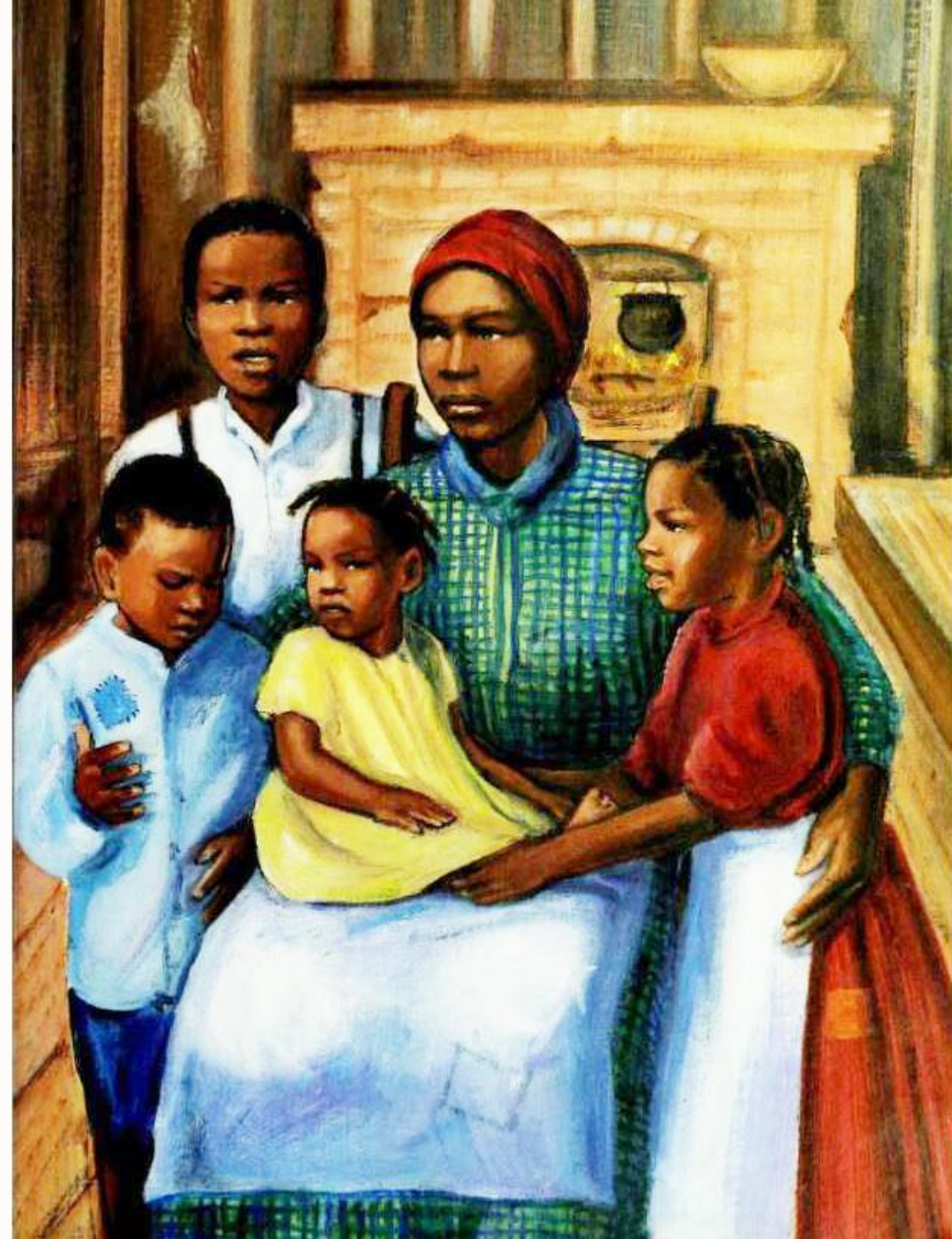
जैसे ही मेरा सबसे बड़ा बेटा, जोशुआ, मर्दानगी की ओर बढ़ने लगा, परिवार के लिए मेरी आशाओं को फिर बड़ी ठोकर लगी. तब तक सबने देखा था कि मेरे लड़के के पास एक खास तोहफा था. ऐसा लगता था कि वो घोड़ों से बातें कर सकता था और घोड़े उसका एक-एक शब्द समझते थे. मास्टर क्लेमन्स ने मेरे बेटे का जानवरों के साथ विशेष हुनर पहचान और उन्होंने उससे मुनाफा कमाने की कोशिश की.

आखिरी बार जब मैंने जोशुआ को देखा था तो वो एक वैगन में जंजीरों से बंधा हुआ था. वो बेंचने के बाद दूसरे बागान में जा रहा था, ठीक वैसे ही जैसे उसके पिता को एक साल पहले बेंचा गया था.

"कृपया करें मालिक, मेरे परिवार को फिर से अलग न करें. आप जोशुआ को नहीं बेच सकते. मेरे बेटे को मत बेचो!" मैंने याचना की.

लेकिन मास्टर क्लेमन्स ने मुझे एक तरफ धकेल दिया. "वो लड़का तुमसे ज्यादा मेरा है!" वो चिल्लाया और गाड़ी जोशुआ को भगाकर ले गई.
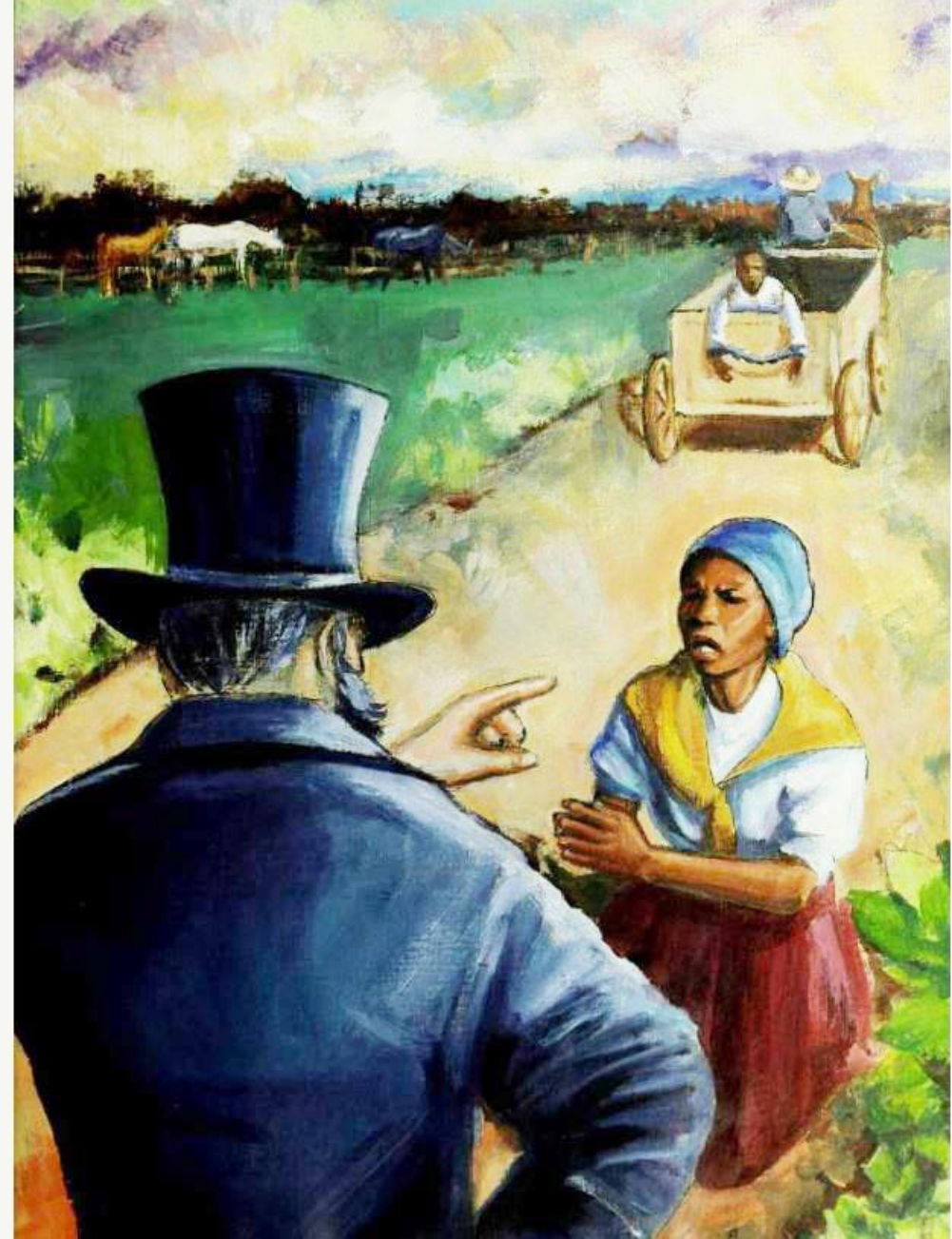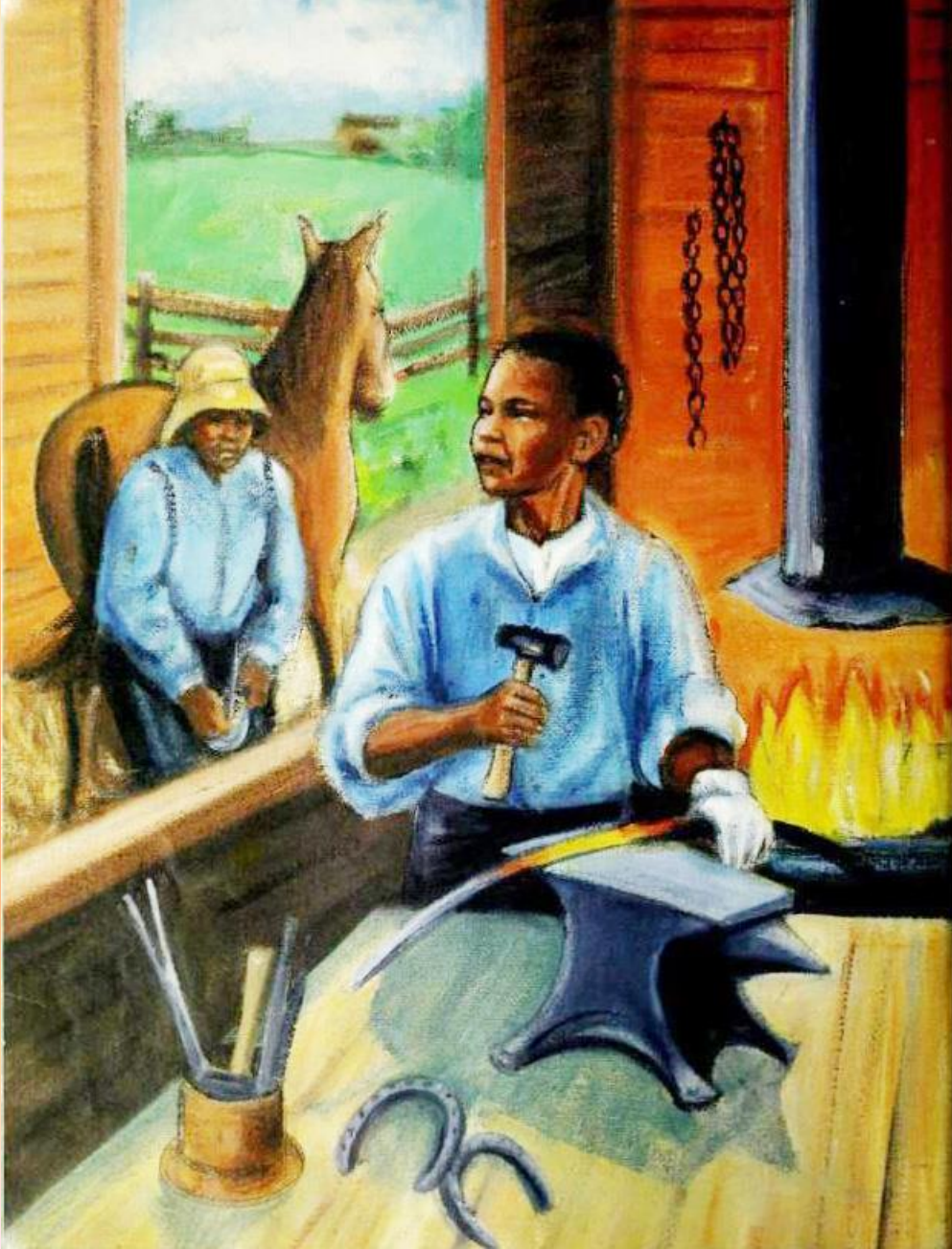
यह खबर एक दास से दूसरे दास तक देश भर में फ़ैल गई. एक असहनीय लंबे समय के बाद, मुझे पता चला कि जोशुआ को सैकड़ों मील दूर रैंडोल्फ़ बागान में भेज दिया गया था. जोशुआ वहां उनके लोहार से निहाई और आग के बारे में सब कुछ सीखेगा. संभवत: उससे उसका नया मालिक और अधिक मुनाफा कमाएगा. जोशुआ ने जो प्रतिज्ञा की थी, वो भी मुझे बताई गई. उसने कसम खाई थी, "मैं अपने पूरे परिवार की स्वतंत्रता खरीदने के लिए एक-एक पैसा बचाऊंगा."
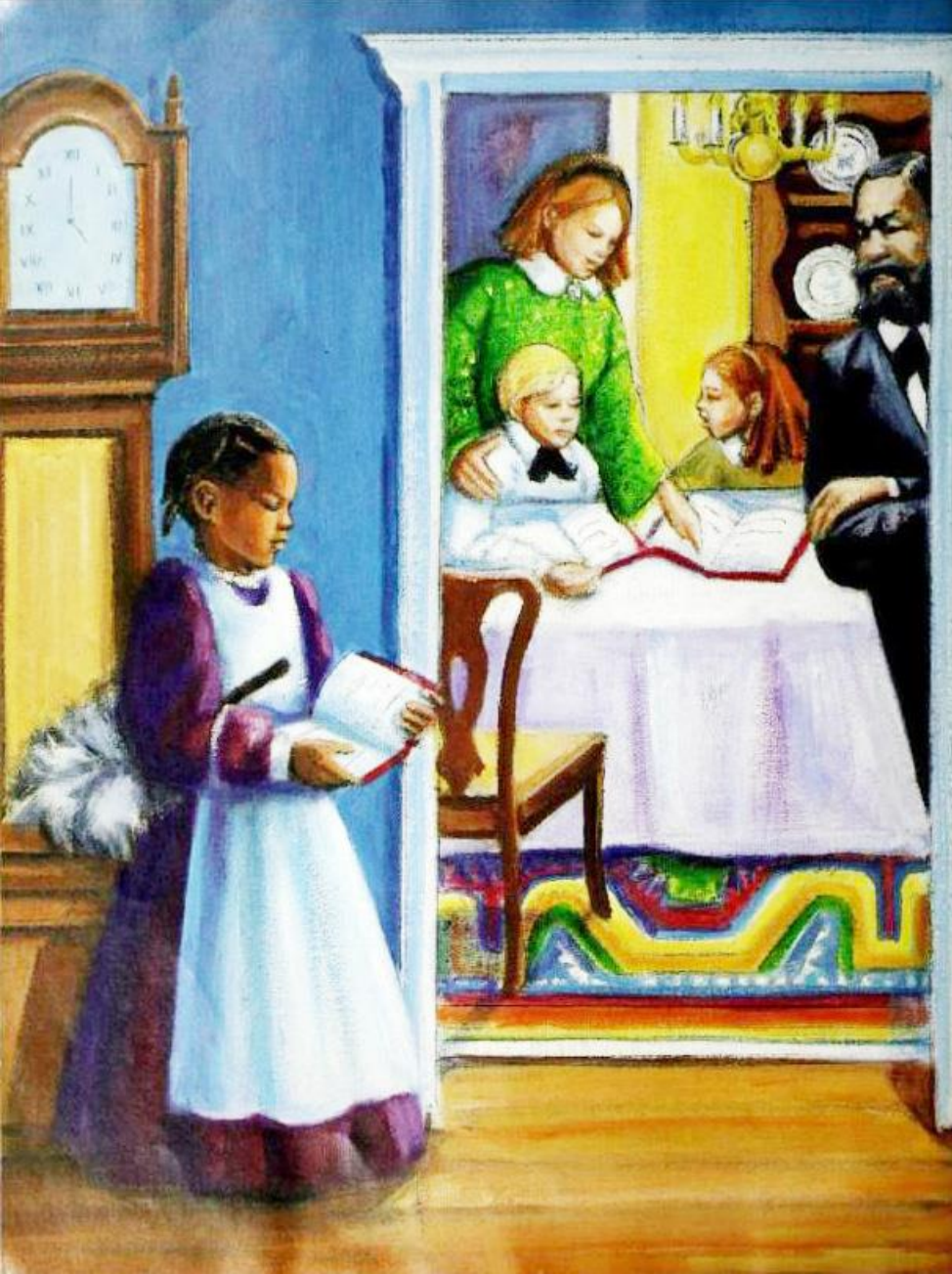
मेरा दूसरी बच्ची, सैली, इतनी होशियार थी, कि वो मालिक के बच्चों को पाठों को सुन-सुन कर ही खुद पढ़ना सीख गई. लेकिन जॉर्जिया में किसी दास के लिए पढ़ना सीखना एक कानूनी अपराध था.

इसलिए मास्टर क्लेमन्स ने सैली को कोड़े से मारा. सैली बस वहीं खड़ी रही और कोड़े की मार के बावजूद रोई नहीं. उस बच्ची में लोहे की इच्छा-शक्ति थी और वो अपना सिर झुकाने को तैयार नहीं थी. मैं उसके लिए अपने दिल में डरी थी. गुलाम होने का वो कोई तरीका नहीं था.

इसलिए, मैंने एक रात सैली को जगाया, उसे गले लगाया, और उसे उन दोस्तों के हाथों में सौंप दिया, जो मेरी बेटी को उत्तर की ओर स्वतंत्रता की ओर ले जाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने को तैयार थे. जब मैंने उन्हें आखिरी बार देखा था, तो वे एक मुक्ति गीत गा रहे थे. उस गीत को सुनकर मुझे अब रोना आता है. उस गीत द्वारा वे अन्य भागने वाले दासों को कोई सन्देश दे रहे थे.

महीनों बाद मुझे एक पत्र मिला. मुझे पत्र को पढ़वाने के लिए किसी को ढूंढना पड़ा. जिस क्षण मैंने चिट्ठी को सुना, मुझे उसका एक-एक शब्द याद हो गया:

माँ,

कृपया मेरी चिंता मत करना. मैं सुरक्षित हूं, हालांकि हमारी यात्रा आसान नहीं थी. छह सप्ताह तक हमने नदियों को पार किया और रात में सैकड़ों मील की दूरी तय की, और हमेशा ध्रुव-तारे (नॉर्थ-स्टार) का पीछा किया. दिन के दौरान, हम ठंडी, गीली, और अंधेरी गुफाओं में सोते थे और खुद को गुलाम-पकड़ने वाले सिपाहियों से से छिपाते थे. फिर मुक्त काले लोगों ने, और कभी-कभी गोरे लोगों ने भी हमें शरण दी.

माँ, आपने देखा होगा कि हम कितने खुश थे जब हम उस चट्टान पर पहुंचे जहाँ "पी" (पेन्सिलवेनिया)लिखा था. हमें बताया गया कि हम "मेसन-डिक्सन" लाइन पर थे. हम जानते थे कि पेन्सिलवेनिया राज्य में पहुँचने के बाद हम आखिरकार आज़ाद होंगे!

मैं तुमसे प्यार करती हूँ, माँ.

सैली
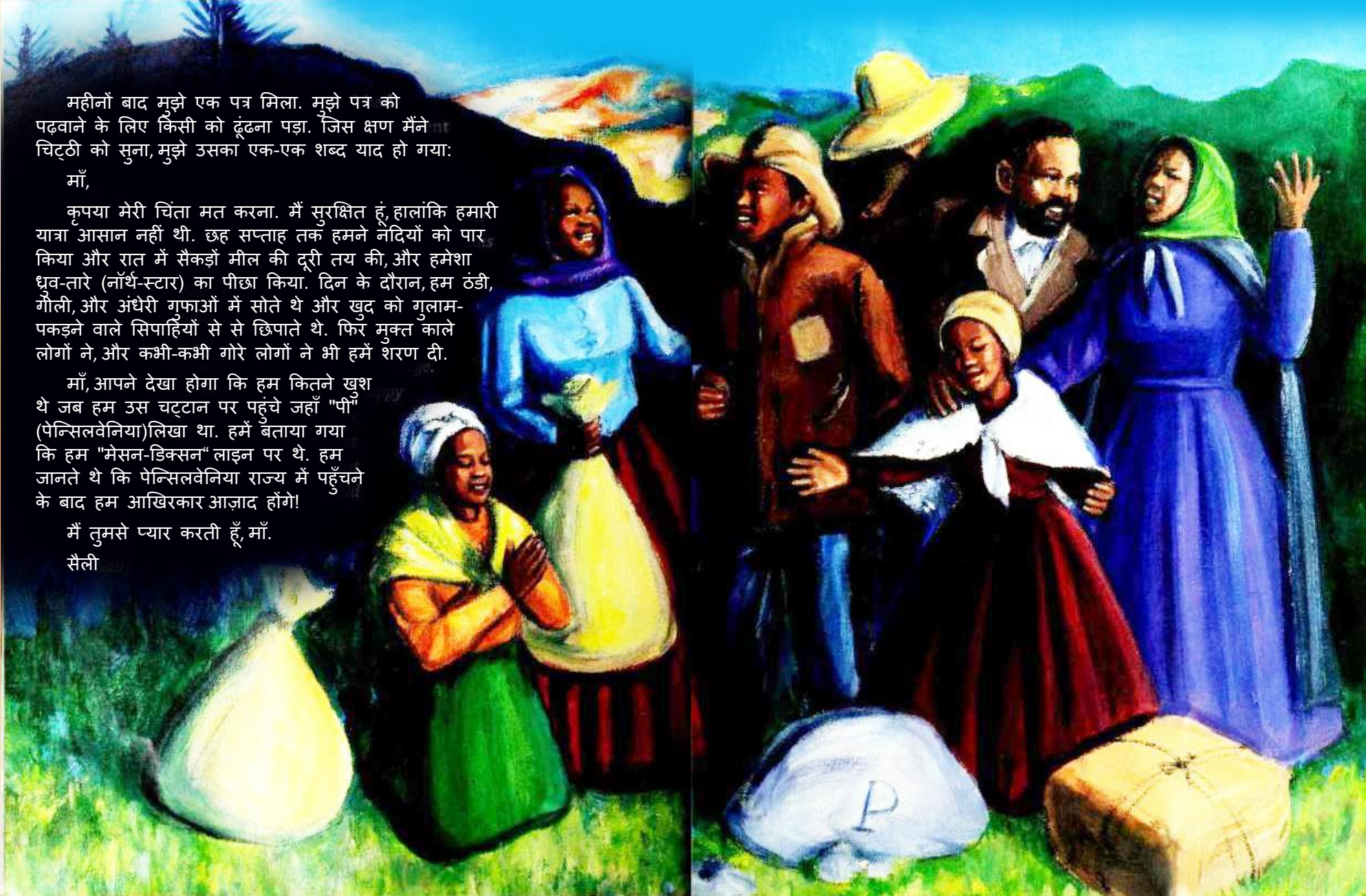
मेरा लड़का मेसन, अपनी बहन की तरह होशियार और अपने भाई की तरह प्रतिभाशाली था. उसके पास एक कुशलता थी, लेकिन वो कितनी तेजी से कपास बीनता था यह उसके बारे में नहीं थी. उस लड़के में संगीत की अद्भुत प्रतिभा थी. वो अपने पिता द्वारा बनाए गए बैंजो को बजाता था और फिर उसकी धुनें सुनकर पक्षी तक नाचने लगते थे.

लेकिन मेरे मालिक को पता चल गया कि हम लोग मेसन के संगीत का आनंद लेते थे. फिर मालिक ने मेरे लड़के को बैंजो बजाने से रोकने के लिए अपना चाबुक उठाया. और मैं जानती थी कि अगर मेसन उसी बागान पर रहा, तो वो वहां का एक पिटा, टूटा हुआ दास बन जाएगा.

मैंने सैली को उत्तर में एक सन्देश भेजा. मैंने सैली को पिछली छह सर्दियों में नहीं देखा था. नियत समय में सैली ने मेरी प्रार्थना का उत्तर दिया. फिर एक अजीब काला आदमी हमारे दरवाजे पर आया और उसने कहा, "मैं मेसन को 'चोरी करने' में मदद करने आया हूं."

मेरे बेटे को क्या हुआ? यह सुनने के लिए मुझे छह महीने इंतजार करना पड़ा. तभी मैंने यह नोट अपने केबिन के दरवाजे के नीचे पड़ा पाया.

माँ,

मेसन को एक सेमिनोल इंडियन परिवार के साथ रहने के लिए फ्लोरिडा ले जाया गया है. माँ, अभी के लिए, मेसन को मुक्त होने में मदद करने का यही सबसे अच्छा रास्ता है. चिंता मत करना. किसी तरह, मैं अपने परिवार को फिर से एक साथ लाने का रास्ता खोज लूंगी.

आपकी प्यारी बेटी,

सैली

केटी मेरी आखिरी संतान है. वो मेरी सबसे छोटी है... मेरी सबसे प्यारी केटी. मुझे नहीं पता कि अगर वो कभी मुझसे छीन ली गई तो फिर मैं क्या करूंगी.

केटी अब बागान के "बिग हाउस" में काम कर रही हैं. वो मास्टर क्लेमन्स की बेटी की निजी नौकरानी है. युवा मालकिन ने मेरी बेटी से कहा है कि अगर केटी ने उसकी निष्ठा से सेवा की, तो मालिक हम दोनों को कभी नहीं बेचेगा.

मैं अपनी सबसे छोटी बेटी को उसकी विरासत की कहानी बता रही हूं, वो कहानी जो मेरे अपने माता-पिता ने एक बार मुझे सुनाई थी. मैं उसे दिखा रही हूं कि सुंदर रजाई कैसे बनती हैं और जॉर्जिया की लाल मिट्टी से बर्तन कैसे बनाए जाते हैं, जो मैंने अफ्रीका में अपने बचपन में बनाए थे. हम शायद कभी भी गुलामी की इस जेल से मुक्त नहीं होंगे और हम सैली या मेसन जैसे स्वतंत्र नहीं होंगे. लेकिन केटी और मैं किसी तरह अपने जीवन में सुकून पाएंगे.

केटी और मैं अक्सर क्लेमन्स प्लांटेशन की सीमाओं तक एक साथ चलते हैं. जब हम चलते हैं, तब हम एक गीत सुनते हैं, और कड़ी मेहनत के बाद मुझे उसमें अपनी मां की आवाज सुनाई देती है. महिलाएं पुराने भजन गा रही होती हैं, "**अब मुझे उड़ने दो**," वो गीत उस देश के बारे में है जिसे दास केवल स्वर्ग में ही पा सकते हैं. लेकिन जब मैं उस पुराने गीत को सुनती हूं, तो मैं उस छोटे से अफ्रीकी पक्षी की तलाश में आकाश में खोजती हूं, और मैं स्वतंत्रता के सपने देखती हूं.
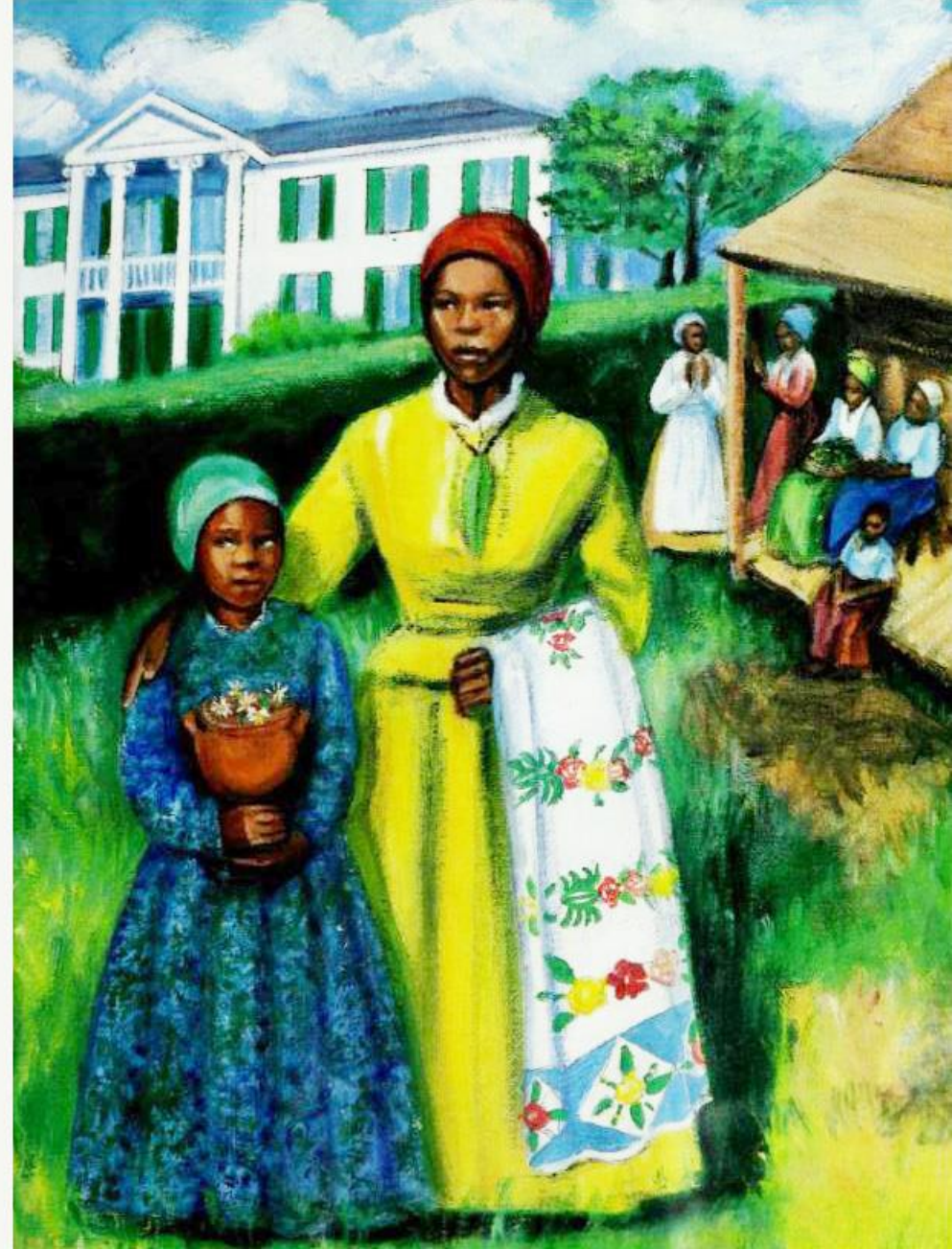
अंत के शब्द

मिन्ना और अमादी के बच्चों को आजादी के लिए अलग-अलग रास्ते चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा. एक सौ पचास साल बाद हम केवल कल्पना ही कर सकते हैं कि उनके साथ क्या हुआ होगा.

इस तथ्य के बावजूद कि वो एक कुशल लोहार बन गया, जोशुआ, मिन्ना और अमादी का सबसे बड़ा बच्चा, अपने परिवार की स्वतंत्रता को खरीदने में सक्षम नहीं हो पाया. अधिकांश दास आवश्यक पर्याप्त धन बचाने में असमर्थ होते थे. जोशुआ ने अपने परिवार का पालन-पोषण किया और अपने कौशल और ज्ञान को अपने वंशजों तक पहुँचाया.

सैली ने, सोजर्नर ट्रुथ की तरह, अपना पूरा जीवन गुलामी के खिलाफ बोलने और दक्षिण में सैकड़ों दासों को गुलामी से बाहर निकालने में मदद करने में बिताया.

अन्य भगोड़े दासों की तरह मेसन ने फ्लोरिडा में एक सेमिनोल इंडियन बस्ती में एक नया जीवन शुरू किया. जब 1842 में अमेरिकी सरकार द्वारा सेमिनोल्स को उखाड़ फेंका गया और जबरन ओक्लाहोमा में स्थानांतरित किया गया, तो वो भी अपने नए परिवार के साथ वहां चला गया और वहां उसने अपना शेष जीवन एक सेमिनोल योद्धा के रूप में बिताया.

मिन्ना, केटी और उनके वंशजों ने लगभग बीस साल तक, गृहयुद्ध के अंत तक, क्लेमन्स वृक्षारोपण पर क्रूरता के बावजूद अपना अस्तित्व जारी रखा. फिर दिसंबर, 1865 में 73वें संशोधन ने, सभी अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुषों, महिलाओं और बाल गुलामों को मुक्ति प्रदान की.